Siddharth University In News 30.07.2021

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के एक वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री ने ऑनलाइन संबोधित किया

सिद्धार्थनगर।राष्ट्रीय शिक्षा नीति के 1 वर्ष पूरे होने पर भारत के महत्वपूर्ण शिक्षण संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों के कुलपतियों एवं शिक्षकों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑनलाइन संबोधित किया ।इस अवसर पर सिद्धार्थ विश्विद्यालय में भी प्रधानमंत्री का उद्बोधन सुनने के लिए कमेटी हॉल मे व्यवस्था की गई थी।आधे घण्टे के अपने संबोधन मे प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न महत्वपूर्ण पक्षों पर प्रकाश डालते हुए कहा की राष्ट्रीय शिक्षा नीति कौशल विकास तथा क्षमता की पहचान कर व्यक्ति को उन्नत बनाने का महत्वपूर्ण कार्य करने वाला साबित होगा। यह मानवीय क्षमताओं को विकसित विकसित कर युवाओं को आत्मनिर्भर भी बनाने वाला महत्वपूर्ण योजना है ।डिजिटल इंडिया को राष्ट्रीय शिक्षा नीति निश्चित रूप से साकार स्वरूप देगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति युवाओं में विश्वास पैदा करने वाली भी साबित होगी । राष्ट्रीय शिक्षा नीति के पाठ्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रोग्राम सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। अब विद्यार्थी अपने रूचि के अनुसार कोई भी पाठ्यक्रम पढ़ने के लिए स्वतंत्रता है। विद्यार्थियों के आकलन के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति में वैज्ञानिक पद्धति विकसित की गई है जो निश्चित रूप से विद्यार्थियों की योग्यता और क्षमता को पहचान कर उन को नई दिशा देने का मार्ग प्रशस्त करेगा ।प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय

शिक्षा नीति के 1 वर्ष पूरे होने पर कुछ कार्यक्रम लांच किए गए हैं जिसमें छोटे बच्चों के लिए विद्या प्रवेश कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण है। शहरी क्षेत्र में जिस प्रकार से प्ले वे छोटे बच्चों के लिए पठन-पाठन का महत्वपूर्ण हिस्सा होता था अब राष्ट्रीय शिक्षा नीति में विद्या प्रवेश के माध्यम से बच्चों को खेलते हुए पढ़ने के गुर सिखाए जाएंगे ।राष्ट्रीय शिक्षा नीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा स्थानीय भाषाओं में शिक्षा का माध्यम बनाया जाना भी है अब इंजीनियरिंग की पढ़ाई पांच स्थानीय भाषा में करने की योजना बना दी गई है जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों जिन की भाषा को लेकर समस्या होती थी विशेष रूप से आदिवासी क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए यह बहुत सुखद अवसर होगा ।राष्ट्रीय शिक्षा नीति मातृभाषा में शिक्षा देने के अपने दृढ़ संकल्प पर निरंतर आगे बढ़ रही है ।प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों को तकनीक तथा अन्य कौशल की क्या का प्रशिक्षण देने के लिए निष्ठा 2.0 कार्यक्रम भी लांच किया गया है ।अपने उद्बोधन में प्रधान मंत्री ने कहा की राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है ।अभी तक भारत के विद्यार्थी विदेश पढ़ने के लिए जाते थी अब विदेश से भारत आने के स्थिति बनेगी। निश्चित रूप से राष्ट्रीय शिक्षा नीति देश को नए युग का साक्षात्कार कराने वाला साबित होगा ।प्रधानमंत्री के प्रबोधन कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर हरि बहादुर श्रीवास्तव कुलसचिव राकेश कुमार वित्त अधिकारी अजय सोनकर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर हरीश शर्मा क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी अश्वनी मिश्र सहित विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे। यह जानकारी विश्वविद्यालय के पीआरओ डॉ अविनाश प्रताप सिंह ने दिया।

मूल्यांकन केंद्र का कुलपति ने किया निरीक्षण

यूथ इण्डिया संवाददाता

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कुलपति प्रो हरि बहादुर श्रीवास्तव ने गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर में तथा संबद्ध महाविद्यालयों के विभिन्न कक्षाओं के चल रहे केंद्रीय मूल्यांकन केंद्र पर पहुंचकर परीक्षकों से बातचीत की। इस अवसर पर उन्होंने परीक्षकों का धन्यवाद देते हुए कहा की कोविड की परिस्थिति में भी शिक्षक विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखकर मूल्यांकन केंद्र पर आए है, इस कारण मैं सबका अभिनंदन करता हूं। उन्होंने परीक्षकों से आग्रह किया की गंभीरता पूर्वक उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन करें। शुचितापूर्ण कार्य व्यवहार शिक्षक के लिए महत्वपूर्ण है। ऐसे में मूल्यांकन करते समय प्रत्येक उत्तर पुस्तिका पर निर्धारित समय अवश्य दें।

किसी प्रकार की समस्या होने पर आप व्यवस्था केंद्र प्रभारी से संपर्क कर सकते है। कुलपति के साथ ही इस अवसर पर कुलसचिव वित्त अधिकारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर कुलपति ने मूल्यांकन केंद्र प्रभारी डॉ पुर्णेश नारायण सिंह से विभिन्न विषयों में मूल्यांकन कार्य की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा की बीकॉम भाग दो की तरह से ही अन्य विषयों की परीक्षा परिणाम अतिशीघ्र घोषित करने की व्यवस्था की योजना बनाकर मूल्यांकन कराया जाय। कुलपति को मूल्यांकन केंद्र प्रभारी ने बताया कि एक-दो दिन में बी काम भाग तीन की परीक्षा परिणाम घोषित हो जाएगा और प्रयास होगा कि 30 अगस्त तक सभी कक्षाओं का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया जाए।

www.jagran.com

सिविवि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर सुनी गई पीएम की बातें

जागरण संवाददाता, सिद्धार्थनगर :

स्वस्थ्य जीवन के लिए पौधरोपण अनिवार्य है: कुलपति

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में कुलपति प्रोफेसर हरि बहादुर श्रीवास्तव ने तथागत अंतरराष्ट्रीय केंद्र में औषधीय एवं पौराणिक पौधा का रोपण किया। इस अवसर पर कुलसचिव राकेश कुमार वित्त अधिकारी अजय सोनकर सहायक कुलसचिव दीनानाथ यादव अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर हरीश शर्मा, सुआकटा अध्यक्ष डॉ पुर्णेश नारायण सिंह एवं तथागत अंतरराष्ट्रीय केंद्र के प्रभारी डॉ अखिलेश दीक्षित सहित शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। विदित है की सिद्धार्थ विश्वविद्यालय परिसर और संबद्ध महाविद्यालयों में निरंतर पौधारोपण कार्यक्रम अभियान के रूप में चलाया जा रहा है। इसी क्रम में

गुरुवार को एक बार फिर विश्विद्यालय परिसर स्थित तथागत अंतरराष्ट्रीय केंद्र में पीपल अशोक नीम सहित अनेक औषधीय पौधों का रोपण किया गया। शासन के निदेर्शानुसार और विश्वविद्यालय की योजना अनुसार पर्यावरण को शुद्ध करने में पौधों की महत्ता को देखते हुए और विशेष रूप से कोरोना जैसे महामारी से निपटने में ऑक्सीजन की उपलब्धता के दृष्टिगत पौधारोपण का कार्यक्रम का महाअभियान निरंतर जारी है। अन्य जगहों पर परिसर में भी आगे पौधे लगाने की योजना कुलपति के निदेर्शानुसार बनाई जा रही है। उक्त जानकारी सूचना जनसंपर्क अधिकारी डॉ अविनाश प्रताप सिंह ने दी।

स्वस्थ्य जीवन के लिए पौधरोपण अनिवार्य–कुलपति

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्व. विद्यालय कपिलवस्तु में कुलपति प्रोफेसर हरि बहादुर श्रीवास्तव ने तथागत अंतरराष्ट्रीय केंद्र में औषधीय एवं पौराणिक पौधा का रोपण किया। इस अवसर पर कुलसचिव राकेश कुमार वित्त अधिकारी अजय सोनकर सहायक कुलसचिव दीनानाथ यादव अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर हरीश शर्मा, सुआकटा अध्यक्ष डॉ पुर्णेश नारायण सिंह एवं तथागत अंतरराष्ट्रीय केंद्र के प्रभारी डॉ अखिलेश दीक्षित सहित शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। विदित है की सिद्धार्थ विश्वविद्यालय परिसर और संबद्ध महाविद्यालयों में निरंतर पौधारोपण कार्यक्रम अभियान के रूप में चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को एक बार फिर विश्विद्यालय परिसर स्थित तथागत अंत. राष्ट्रीय केंद्र में पीपल अशोक नीम सहित अनेक औषधीय पौधों का रोपण किया गया।

कुलपति ने किया केंद्रीय मूल्यांकन केंद्र निरीक्षण

कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।

मनोरंजन/गोरखपुर/देवरिया/फतेहपुर/सिद्धार्थनगर/बिजनौर/बागपत 11

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न महत्वपूर्ण पक्षों पर डाला प्रकाश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का 1 वर्ष हुआ पूरा

कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।

गंभीरता से करें उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन : कुलपति

कपिलवस्तु (एसएनबी)।

सिद्धार्थ विवि

केंद्रीय मूल्यांकन केंद्र की जांच में पहुंचे कुलपति

जागरण संवाददाता, सिद्धार्थनगर :

प्रधानमंत्री ने किया ऑनलाइन संबोधित

कपिलवस्तु (एसएनबी)।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के एक वर्ष पूर्ण

Siddharth University In News 30.07.2021

स्वस्थ्य जीवन के लिए पौधरोपण जरूरी

कपिलवस्तु (एसएनबी)। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में कुलपति प्रोफेसर हरि बहादुर श्रीवास्तव ने तथागत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में औषधीय एवं पौराणिक पौधा का रोपण किया।

पौधारोपण करते कुलपति प्रो. हरिबहादुर श्रीवास्तव। फोटो : एसएनबी

इस अवसर पर कुलसचिव राकेश कुमार वित्त अधिकारी अजय सोनकर सहायक कुलसचिव दीनानाथ यादव अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर हरीश शर्मा, सुआक्टा अध्यक्ष डा. पुर्णेश नारायण सिंह एवं तथागत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र के प्रभारी डा. अखिलेश दीक्षित सहित शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। विदित हो कि सिद्धार्थ विश्व विद्यालय परिसर और संबद्ध महाविद्यालयों में निरंतर पौधारोपण कार्यक्रम अभियान के रूप में चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को एक बार फिर विश्विद्यालय परिसर स्थित तथागत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में पीपल अशोक नीम सहित अनेक औषधीय पौधों का रोपण किया गया। शासन के निर्देशानुसार और विश्वविद्यालय की योजना अनुसार पर्यावरण को शुद्ध करने में पौधों की महत्ता को देखते हुए और विशेष रूप से कोरोना जैसे महामारी से निपटने में आक्सीजन की उपलब्धता के दृष्टिगत पौधारोपण का कार्यक्रम का महाअभियान निरंतर जारी है।

अन्य जगहों पर परिसर में भी आगे पौधे लगाने की योजना कुलपति के निर्देशानुसार बनाई जा रही है। उक्त जानकारी सूचना जनसंपर्क अधिकारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने दी।

कुलपति ने किया केंद्रीय मूल्यांकन केंद्र का निरीक्षण

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्व. विद्यालय कुलपति प्रो हरि बहाद. र श्रीवास्तव ने आज सिद्धार्थ विश्वविद्यालय परिसर में परिसर तथा संबद्ध महाविद्यालयों के

विभिन्न कक्षाओं के चल रहे केंद्रीय मूल्यांकन केंद्र पर पहुंचकर परीक्षकों से बातचीत की। इस अवसर पर उन्होंनेप परीक्षकों का धन्यवाद देते हुए कहा की कोविड की परिस्थिति में भी शिक्षक विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखकर मूल्यांकन केंद्र पर आए हैं इस कारण मैं सबका अभिनंदन करता हूं।उन्होंने परीक्षकों से आग्रह किया की गंभीरता पूर्वक उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन करें। शुि. चतापूर्ण कार्य व्यवहार शिक्षक के लिए महत्वपूर्ण है।ऐसे में मूल्यांकन करते समय प्रत्येक उत्तर पुस्तिका पर निर्धारित समय अवश्य दें। किसी प्रकार की समस्या होने पर आप व्यवस्था केंद्र प्रभारी से संपर्क कर सकते है।कुलपति के साथ ही इस अवसर पर कुलसचिव वित्त अधिकारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे इस अवसर पर कुल. पति ने मूल्यांकन केंद्र प्रभारी डॉ पुर्णेश नारायण सिंह से विभिन्न विषयों में मूल्यांकन कार्य की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा की बीकॉम भाग 2 की तरह से ही अन्य विषयों की परीक्षा परिणाम अतिशीघ्र घोषित करने की व्यवस्था की योजना बनाकर मूल्यांकन कराया जाय। कुलपति जी को मूल्यांकन केंद्र प्रभारी ने बताया कि एक–दो दिन में भी काम भाग तीन की परीक्षा का परिणाम घोषित हो जाएगा और प्रयास होगा कि 30 अगस्त सभी कक्षाओं का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया जाए। यह जानकारी पी आर ओ डॉ अविनाश प्रताप सिंह ने दी है।

शिक्षकों ने सुना प्रधानमंत्री का संदेश

प्रधानमंत्री के संदेश को ऑनलाइन सुनते सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के कुलपति और शिक्षक। संवाद

कपिलवस्तु। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का एक वर्ष पूरे होने पर महत्वपूर्ण शिक्षण संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और शिक्षकों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑनलाइन संबोधित किया। सिद्धार्थ

स्वस्थ जीवन के लिए पौधरोपण जरूरी : कुलपति

कपिलवस्तु। स्वस्थ जीवन के लिए पौधरोपण अनिवार्य हिस्सा हो गया है। सामूहिक रूप से सभी को सतत प्रयास करने होंगे। ये बातें सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर हरि बहादुर श्रीवास्तव ने कहीं। वह बृहस्पतिवार को विश्वविद्यालय परिसर में तथागत अंतरराष्ट्रीय केंद्र के प्रांगण में पीपल, अशोक, नीम सहित अनेक औषधीय पौधों का रोपण करने के बाद उपस्थित समुदाय को संबोधित कर रहे थे। कुलसचिव राकेश कुमार, वित्त अधिकारी अजय सोनकर, सहायक कुलसचिव दीनानाथ यादव, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. हरीश शर्मा, सुआक्टा के अध्यक्ष डॉ पुर्णेश सिंह, तथागत अंतरराष्ट्रीय केंद्र के प्रभारी डॉ. अखिलेश दीक्षित सहित शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। संवाद

स्वस्थ जीवन के लिए अनिवार्य है पौधारोपण : कुलपति

गरण संवाददाता, सिद्धार्थनगर : द्धार्थ विश्वविद्यालय के कुलपति फेसर हरि बहादुर श्रीवास्तव ने रुवार को तथागत अंतरराष्ट्रीय केंद्र औषधीय एवं पौराणिक पौधों को गाया। जीवन में इन पौधों के महत्व बताया। सभी को पौधारोपण करने लिए प्रेरित किया।

कुलपति ने कहा विश्वविद्यालय रिसर व संबद्ध कालेजों में वृहद प से पौधारोपण का कार्यक्रम चालित किया जा रहा है। मानव वन में वृक्ष को मित्र की भांति ना गया है। औषधीय पौधों से

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के तथागत अंतरराष्ट्रीय केंद्र परिसर में पौधारोपण करते कुलपति प्रो हरि बहादुर श्रीवास्तव (मध्य में) ●जागरण

कई लाभ मिलते हैं। पीपल, अशोक, नीम आदि अनेक औषधीय पौधे हैं। जिनसे मानव जीवन सुगम व सुलभ हो जाता है। कोरोना संक्रमण काल में जब आक्सीजन की कमी हुई तो सभी ने वृक्षों के महत्व को जाना। यह पर्यावरण को शुद्ध करने में सहयोगी साबित होते हैं। इसलिए पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने के लिए भी पौधारोपण करना चाहिए। परिसर में अभी और पौधारोपण किया जाएगा।

कुलसचिव राकेश कुमार, वित्त अधिकारी अजय सोनकर, सहायक कुलसचिव दीनानाथ यादव, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. हरीश शर्मा, डा.पूर्णेश नारायण सिंह, तथागत अंतरराष्ट्रीय केंद्र के प्रभारी डा. अखिलेश दीक्षित, डा.अविनाश प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

'गंभीरतापूर्वक उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन करें'

कपिलवस्तु। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. हरि बहादुर श्रीवास्तव ने विश्वविद्यालय परिसर समेत संबद्ध महाविद्यालयों की विभिन्न कक्षाओं के चल रहे केंद्रीय मूल्यांकन केंद्र पर पहुंचकर परीक्षकों से बातचीत की। कुलपति कहा कि कोविड की परिस्थिति में भी शिक्षक विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखकर मूल्यांकन केंद्र पर आए हैं। गंभीरतापूर्वक उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन करें। उन्होंने मूल्यांकन केंद्र प्रभारी डॉ. पुर्णेश नारायण सिंह से विभिन्न विषयों में मूल्यांकन कार्य की प्रगति की जानकारी ली। कहा कि बीकॉम भाग दो की तरह से ही अन्य विषयों की परीक्षा परिणाम अतिशीघ्र घोषित करने की व्यवस्था बनाकर